अक्तूबर 2012 से सितंबर 2013 की तिमाहियों के दौरान आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता उपयोग की स्थिति *

सीरीज के दूसरे इस वार्षिक लेख में अक्तूबर 2012 से सितंबर 2013 (20वें से 23वें दौर तक के सर्वेक्षण) के दौरान किए गए आदेश बहियां, इन्वेंटरी और क्षमता उपयोग (ओबीआईसीयूएस) से संबंधित सर्वेक्षण के परिणाम दिए गए हैं। अक्तूबर 2012 और जून 2013 के बीच की पहली तीन तिमाहियों में सभी मानदंड़ों अर्थात नये आदेशों में वृद्धि, क्षमता उपयोग का स्तर, बिक्री अनुपात की तुलना में तैयार माल से संबंधित इन्वेंटरी, एक वर्ष पहले की स्थिति की तुलना में कमजोर स्थिति को दर्शाया गया है। जुलाई-सितंबर 2013 तिमाही के बाद उपर्युक्त सभी मानदंड़ों में सुधार हुआ। यह सुधार तिमाही के दौरान निजी विनिर्माण क्षेत्र की बिक्री की स्थिति में सुधार होने से हुआ है।

I : प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक अर्थव्यवस्था में समग्र मांग-आपूर्ति की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए अनेक समष्टि चरों को ध्यान में रखता है और तदनुसार अपनी मौद्रिक नीति बनाता है। अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण घटक विनिर्माण क्षेत्र की बिक्री और लाभ मार्जिन से संबंधित आंकड़े इस प्रकार की कंपनियों के प्रकटीकरण भाग के रूप में उपलब्ध रहते हैं। तथापि, आदेश बहियां, क्षमता उपयोग का स्तर और तैयार माल से संबंधित इन्वेंटरी स्तर जो आरंभिक मांग स्थिति को भी दर्शाता है, को अधिकांश कंपनियां सामान्यतः प्रकट नहीं करती हैं। आंकड़ों से संबंधित अंतराल को समाप्त करने के लिए रिज़र्व बैंक 2008 से तिमाही आधार पर भारतीय विनिर्माणी कंपनियों की आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता के उपयोग (ओबीआईसीयूएस) के संबंध में सर्वेक्षण कर रहा है। सर्वेक्षण के परिणाम अब नियमित आधार पर भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराएं जाते हैं।

भारतीय संदर्भ में एक व्यापक कारोबार रजिस्टर न होने के कारण ओबीआईसीयूएस के लिए नमूने सोद्देश्य है और कंपनियों का चुनाव इसलिए किया जाता है ताकि एक समुचित आकार-मिश्रण के उद्योगों को शामिल किया जा सके। सर्वेक्षण अनुसूची विनिर्माण क्षेत्र की उन 2,500 कंपनियों के बीच प्रचारित की गई जिनकी स्थिति अनेक कारोबार प्रवृत्ति सर्वेक्षण में समान है। चूंकि सर्वेक्षण में भाग लेना स्वैच्छिक होता है और इसलिए सभी कंपनियों से उत्तर प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता है और इसी तरह सभी तिमाहियों में सभी से उत्तर प्राप्त करना भी संभव नहीं हो पाता है। सर्वेक्षण में एकत्रित की जाने वाली जानकारी में लक्ष्यित समूह से संदर्भगत तिमाही में प्राप्त हुए नए आदेशों, तिमाही के प्रारंभ में बचे हुए पुराने आदेश, तिमाही के अंत में लंबित आदेश, चालू कार्य तथा तैयार माल को अलग-अलग दर्शाते हुए तिमाही के अंत में कुल इन्वेंटरियों तथा स्थापित क्षमता की तुलना में मात्रा तथा मूल्य के संदर्भ में तिमाही के दौरान स्थापित क्षमता की तुलना में मदवार उत्पादन के मात्रात्मक आंकड़े शामिल हैं। क्षमता उपयोग के स्तर से संबंधित अनुमान उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

इस लेख में अक्तूबर 2012 से सितंबर 2013 के दौरान भारतीय विनिर्माण उद्योग की आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता के उपयोग की स्थिति नवीनतम सर्वेक्षण (23वां दौर) के प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है जो 2013-14 की दूसरी सर्वेक्षण तिमाही से संबंधित हैं[1]। तथापि, पिछले सर्वेक्षण दौर से प्राप्त समान तिमाही के आंकडें विश्लेषण की प्रामाणिकता मापने के लिए भी प्रस्तुत किए गए हैं (भाग III)। संबंधित आंकड़ों की सारणी अनुबंध में दी गई है।

II : सर्वेक्षण के परिणाम

II.1 आदेश बहियों की वृद्धि

2012-13 की तीसरी तिमाही में प्रतिदर्श कंपनियों के नए आदेशों का औसत मूल्य 2011-12 की तीसरी तिमाही की स्थिति की तुलना में कम रहा किंतु 2012-13 की दूसरी तिमाही की तुलना में अधिक

* भारतीय रिज़र्व बैंक के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के उद्यम सर्वेक्षण प्रभाग में तैयार किया गया। यह लेख ओबीआईसीयूएस सर्वेक्षण के 20वें से 23वें दौर तक के परिणामों पर आधारित है।

[1] अक्तूबर 2011 से सितंबर 2012 तक की अवधि को शामिल करते हुए इस विषय पर पहला वार्षिक लेख मार्च 2013 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था। इस वार्षिक सीरीज के पहले रिज़र्व बैंक तिमाही आधार पर सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित करता था। पहला तिमाही लेख दिसंबर 2011 को प्रकाशित किया गया था। नवीनतम तिमाही के आंकड़े के अतिरिक्त कार्यपद्धति में परिवर्तन करते हुए इस लेख में बारह तिमाहियों की बजाय पूर्व चार तिमाहियों के संशोधित आंकड़े दिए गए हैं, जैसा कि लेख में प्रस्तुत दिया गया है। सर्वेक्षण के परिणाम उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं और यह जरूरी नहीं है कि भारतीय रिज़र्व बैंक उनसे सहमत हो।

चार्ट 1: नए आदेशों में वृद्धि

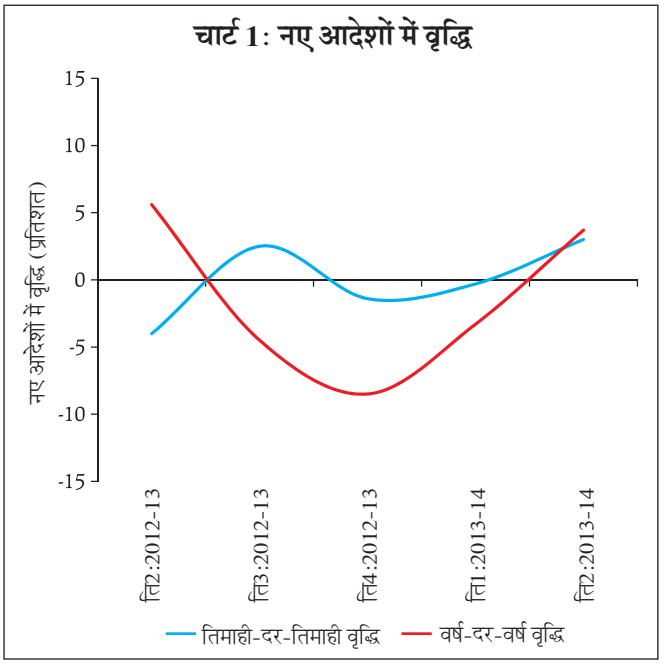

चार्ट 2 : क्षमता उपयोग तथा प्रवृत्ति-असंबद्ध औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (विनिर्माण)

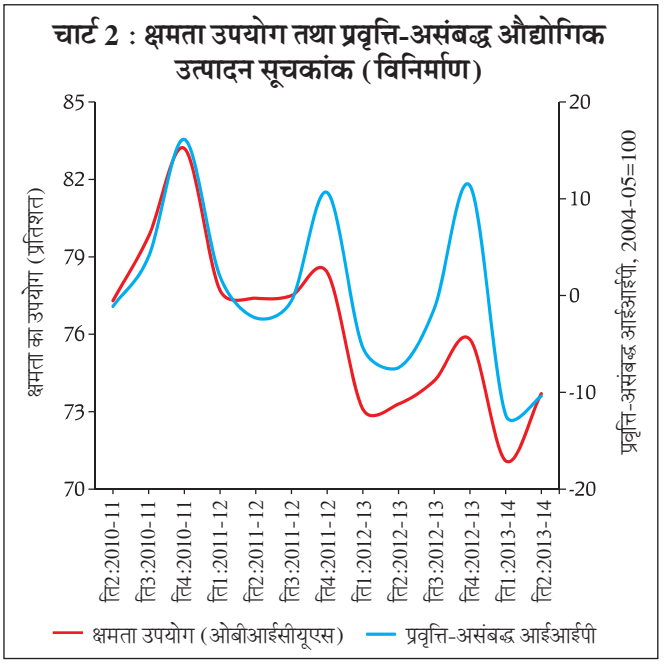

रहा। अगली दो तिमाहियों के लिए नए आदेशों की वृद्धि में वर्ष-दर-वर्ष और तिमाही-दर-तिमाही दोनों आधार पर कमी आई है। तथापि, 2013-14 की दूसरी में इसमें वर्ष-दर-वर्ष और तिमाही-दर-तिमाही दोनों आधार पर नए आदेशों में बढ़ोतरी होने से सुधार हुआ (चार्ट 1, सारणी 1)।

II.2 क्षमता का उपयोग

भारतीय विनिर्माण उद्योग में क्षमता उपयोग के स्तर में 2012-13 से कमी आयी। 2012-13 की तीसरी तिमाही से 2013-14 की पहली तिमाही तक के दौरान समग्र स्तर पर क्षमता उपयोग का स्तर पिछले एक वर्ष की इन्हीं तिमाहियों की तुलना में कम रहा। किंतु मौसमी प्रवृत्ति को दर्शाते हुए 2012-13 की चौथी तिमाही में इसमें वृद्धि देखी गई और 2013-14 की पहली तिमाही में गिरावट देखी गई। 2013-14 की दूसरी तिमाही में क्षमता उपयोग के स्तर में सुधार हुआ और 73.7 प्रतिशत के साथ पिछले वर्ष (अर्थात 2012-13 की दूसरी तिमाही) की समान तिमाही की तुलना में अधिक रहा। क्षमता के उपयोग में हुआ बदलाव विनिर्माण क्षेत्र के प्रवृत्ति-असंबद्ध औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के अनुसार है (चार्ट 2, सारणी 2)।

आगे आंकड़ों के अलग-अलग आकार-वार विश्लेषण से पता चलता है कि सभी तिमाहियों के दौरान बड़ी कंपनियों में क्षमता उपयोग का स्तर उच्च बना रहा। प्रत्येक उद्योग-समूह (नवीनतम सर्वेक्षण में उत्पादन के मूल्य पर आधारित) की श्रेष्ठ 10 कंपनियों को लेने पर पाया गया कि इन समूहों में क्षमता उपयोग का स्तर अवशिष्ट कंपनियों के क्षमता उपयोग के स्तर की तुलना में लगभग 25-30 प्रतिशत अंक अधिक रहा (चार्ट 3 और सारणी 2)।

अनेक क्षमता उपयोग दायरों में कंपनियों के वितरण से पता चलता है कि प्रतिदर्श कंपनियों के एक बड़े भाग का क्षमता उपयोग का परिचालन 60 प्रतिशत से कम रहा और 2013-14 की पहली छमाही में उनके हिस्से में मामूली बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, उत्तर

चार्ट 3 :कंपनियों का क्षमता उपयोग - आकार-वार

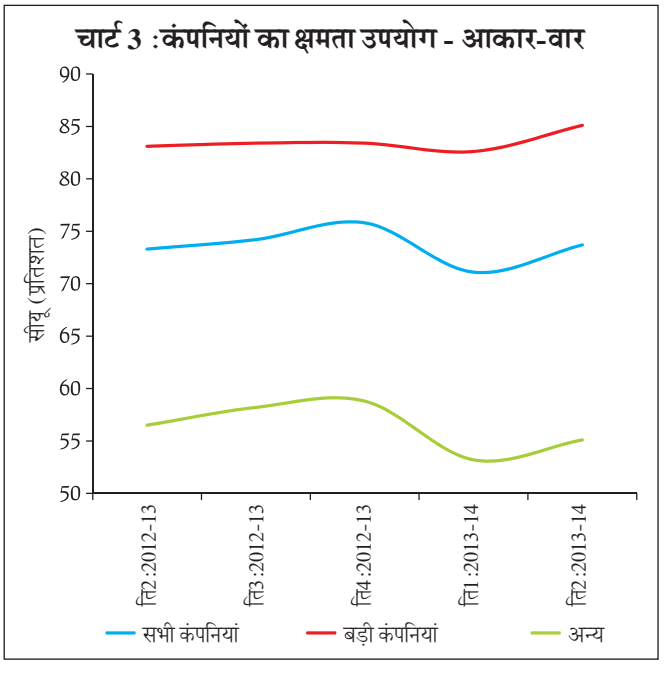

चार्ट 4 : सी यू रेंज द्वारा कंपनियों का वितरण

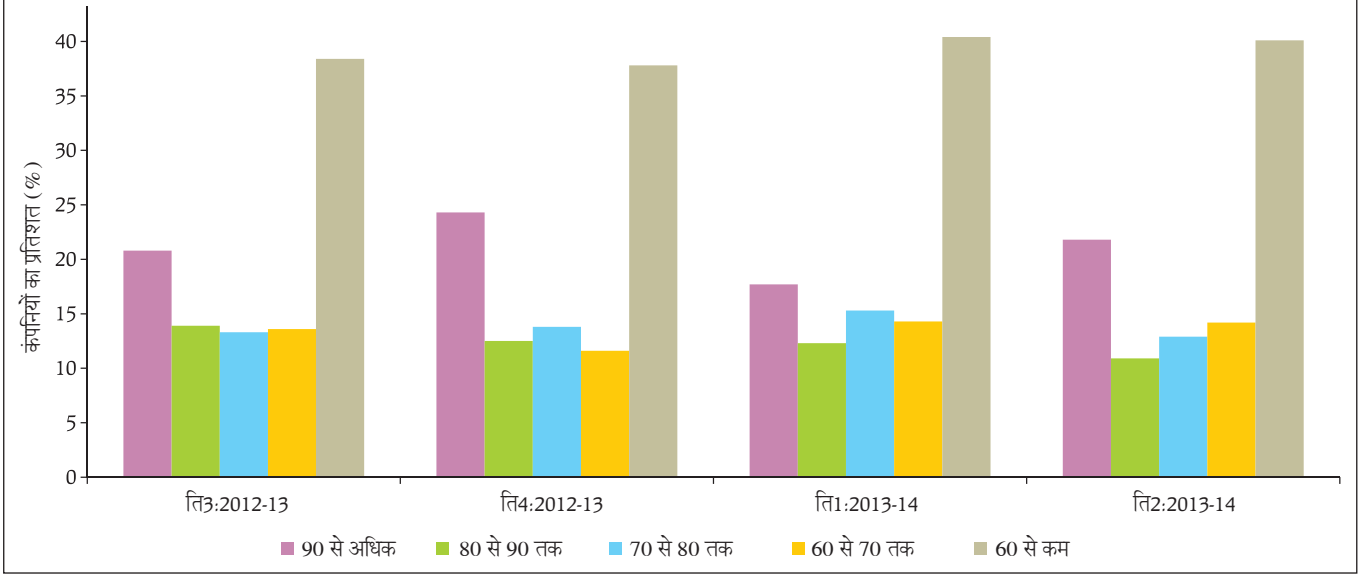

देने वाले कंपनियों में लगभग 20 प्रतिशत कंपनियों ने 90 प्रतिशत से अधिक क्षमता उपयोग किया था और 2012-13 की चौथी तिमाही में इसका हिस्सा अपने अधिकतम स्तर पर पंहुच गया (चार्ट 4, सारणी 3)।

II.3 बिक्री की तुलना में इन्वेंटरी अनुपात

संदर्भगत अवधि के दौरान 2012-13 की तीसरी तिमाही में बिक्री की तुलना में औसत कच्चा माल (आरएम) इन्वेंटरी का अनुपात अपने उच्चतम स्तर अर्थात 30.6 प्रतिशत रहा और उसके बाद 2013-14 की दूसरी तिमाही में यह घटकर 26.3 प्रतिशत रह गया। एक वर्ष पूर्व की समान तिमाही के स्तर की तुलना में 2013-14 की दूसरी तिमाही को छोड़कर अन्य सभी तिमाहियों में बिक्री की तुलना में कच्चा माल (आरएम) इन्वेंटरी का अनुपात अधिक रहा। दूसरी ओर, बिक्री की तुलना में तैयार माल (एफजी) इन्वेंटरी का अनुपात 2012-13 की तीसरी तिमाही में अपने न्यूनतम स्तर पर रहा और किंतु अगली दो तिमाहियों में इसमें धीर-धीरे वृद्धि देखी गई। अन्य मानदंड़ों की प्रवृत्ति का अनुसरण करते हुए बिक्री की तुलना में तैयार माल (एफजी) इन्वेंटरी का अनुपात 2013-14 की दूसरी तिमाही में भी कम रहा (चार्ट 5, सारणी 4)।

चार्ट 5 : बिक्री की तुलना में एफजी इन्वेंटरी और आरएम इन्वेंटरी का अनुपात

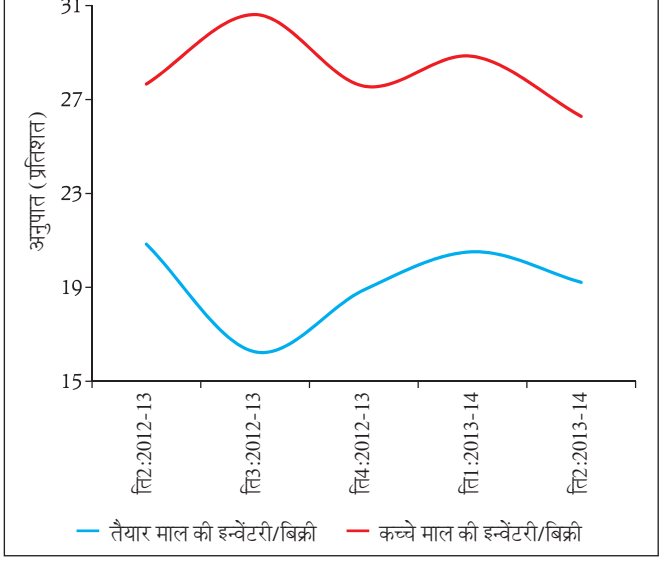

III : सर्वेक्षण के विभिन्न दौरों (20वें से 23वें दौर तक) के परिणामों की वैधता

कंपनियों के नमूनों के घटकों में परिवर्तन होने के कारण एक दौर से दूसरे दौर के सर्वेक्षण के लिए अनुमानित मानदंड़ों में थोड़ा-बहुत परिवर्तन होता है। तथापि, उपर्युक्त परिवर्तनों से तब तक कोई समस्या नहीं है जब तक पूर्व में पाई गई प्रवृत्ति बरकरार बनी रहती है। यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि प्रमुख मानदंड़ों में किए गए परिवर्तन की दिशा निर्णय करने वालों के लिए उनकी पूर्ण मूल्य की तुलना में कहीं अधिक प्रासंगिक है।

2012-13 की तीसरी तिमाही से 2013-14 की पहली तिमाही तक के 20 से 23दौर तक के सर्वेक्षण में दर्ज नए आदेशों की वृद्धि

चार्ट 6 : सभी तिमाहियों में अधिकतम और न्यूनतम क्षमता उपयोग

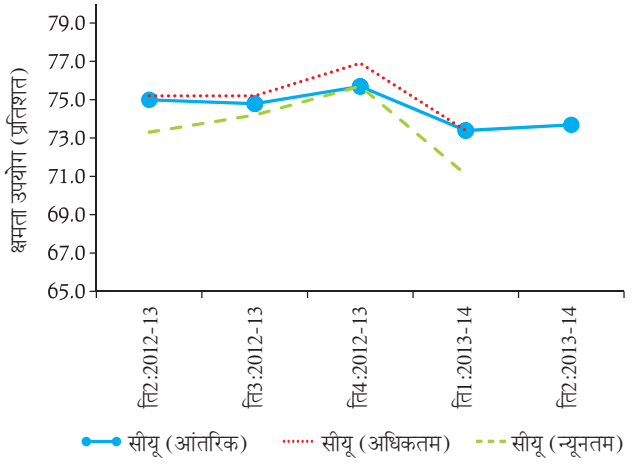

टिप्पणी: नवीनतम तिमाही (ति.2: 2013-14) में मात्र एक सीयू (23वें दौर पर आधारित) का अनुमान दिया गया है, उसी प्रकार ति1:2013-14 में मात्र दो अनुमान और ति-4:2012-13 में मात्र तीन अनुमान दिए गए हैं।

(वर्ष-दर-वर्ष) यथोचित दायरे में रही और उसकी दिशा समान बनी रही (सारणी 5)। तथापि, यह पाया गया कि 2012-13 की दूसरी तिमाही में नए आदेशों से संबंधित वृद्धि कई बड़ी कंपनियों को शामिल/हटाने के कारण अलग-अलग दौरों में काफी भिन्न रही।

क्षमता उपयोग में हुए उतार-चढ़ाव भी सभी सर्वेक्षण दौरों में संगत बने रहे। जैसा कि अपने प्रारंभिक अनुमान (स्वयं सर्वेक्षण तिमाही में अनुमान लगाया गया है) के साथ सर्वेक्षण के अलग-अलग दौरों के जरिए अनुमान किया गया है कि चार्ट 6 निर्धारित तिमाही के लिए क्षमता उपयोग की न्यूनतम और अधिकतम मूल्य को दर्शाता है। यह देखा जा सकता है कि 23वें दौर में क्षमता उपयोग का अनुमान सामान्यतः कम रहने का अनुमान है (सारणी 6)।

तिमाही विशेष के लिए बिक्री अनुपात की तुलना में एफजी इन्वेंटरी से संबंधित अनुमान 23 दौर के सर्वेक्षण को छोड़कर जो कि अपेक्षाकृत अधिक थे, सर्वेक्षण के अलग-अलग दौरों में दायराबद्ध बने रहे (सारणी 7)। समग्र स्तर पर यह पाया गया है कि कंपनियों के घटक समूहों में परिवर्तन होने के कारण प्रमुख मानदंड़ों में थोड़ा-बहुत अंतर था किंतु व्यापक स्तर पर प्रवृत्ति समान रही।

IV: समापन टिप्पणी

जैसा कि रिज़र्व बैंक द्वारा आयोजित तिमाही ओबीआईसीयूएस में नए आदेशों की वृद्धि, क्षमता उपयोग का कम स्तर और बिक्री अनुपात की तुलना में एफजी इन्वेंटरी के जरिए मूल्यांकित किया गया है कि अक्तूबर 2012 से सितंबर 2013 के दौरान भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की मांग स्थितियां कमजोर बनी रहीं। यह 2012-13 से समग्र स्तर पर कम आर्थिक वृद्धि के समान है। अक्तूबर 2012 से जून 2013 तक की तीन तिमाहियों के लिए सभी उपर्युक्त मानदंड़ पिछले एक वर्ष की समान अवधि की तुलना में कमजोर रहे हैं। तथापि, जुलाई-सितंबर 2013 तिमाही में कुछ सुधार देखा गया। इसमें विनिर्माण क्षेत्र में सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर वित्तीय कंपनियों के परिणामों का सहयोग मिला क्योंकि 2011-12 की तीसरी तिमाही से लगातार गिरावट के बाद 2013-14 की दूसरी तिमाही में बिक्री की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में सुधार देखा गया।

अनुबंध - आंकड़ों की सारणियां

सारणी 1 : आदेश बहियां (ति.2:2012-13 से ति.2:2013-14 तक) - 23वें दौर पर आधारित

तिमाही	राशि बिलियन रुपयों में			तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि (%)			वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (%)		
	पिछले आदेश का औसत शेष (484)	नई आदेश बहियों का औसत (484)	लंबित आदेशों का औसत (484)	पिछले आदेश का औसत	नई आदेश बहियों का औसत	लंबित आदेशों का औसत	पिछले आदेश का औसत	नई आदेश बहियों का औसत	लंबित आदेशों का औसत
ति2:2012-13	1.56	1.14	1.55	3.8	-4.0	-0.7	12.3	5.6	11.0
ति3:2012-13	1.55	1.16	1.53	-0.7	2.5	-0.9	11.2	-4.5	2.2
ति4:2012-13	1.53	1.15	1.42	-1.2	-1.4	-7.5	1.9	-8.5	-5.9
ति1:2013-14	1.41	1.14	1.45	-7.5	-0.3	2.0	-5.7	-3.3	-7.1
ति2:2013-14	1.45	1.18	1.49	2.2	3.0	2.8	-7.1	3.7	-3.9

* कोष्ठक में दिए गए आंकड़े आदेश बहियों की रिपोर्टिंग करने वाली कंपनियों से संबंधित हैं।

सारणी 2 : क्षमता का उपयोग और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (विनिर्माण) (आधार:2004-05=100) - 23वें दौर पर आधारित

तिमाही	आईआईपी-विनिर्माण (तिमाही औसत : आधार:2004-05)	प्रवृत्ति-असंबद्ध तिमाही - औद्योगिक उत्पादन सूचकांक -विनिर्माण	क्षमता उपयोग	बड़ी कंपनियों के क्षमता उपयोग की स्थिति	अवशिष्ट कंपनियों के क्षमता उपयोग की स्थिति
ति2:2012-13	175.9	-7.4	73.3	83.1	56.5
ति3:2012-13	183.3	-1.3	74.2	83.4	58.2
ति4:2012-13	197.2	11.3	75.8	83.4	58.8
ति1:2013-14	174.8	-12.3	71.1	82.6	53.2
ति2:2013-14	177.9	-10.4	73.7	85.1	55.1

सारणी 3 : कंपनियों के क्षमता उपयोग में अंतर - 23वें दौर पर आधारित

क्षमता उपयोग का दायरा प्रतिशत	जवाब देनी वाली कुल कंपनियों का प्रतिशत				
	ति2:2012-13	ति3:2012-13	ति4:2012-13	ति1:2013-14	ति2:2013-14
90 से अधिक	21.8	20.8	24.3	17.7	21.8
80 से 90	13.6	13.9	12.5	12.3	10.9
70 से 80	14.1	13.3	13.8	15.3	12.9
60 से 70	13.6	13.6	11.6	14.3	14.2
60 से कम	37.0	38.4	37.8	40.4	40.1

सारणी 4 : औसत बिक्री और इन्वेंटरियां तथा उनके अनुपात (ति.2 : 2012-13 से ति.2: 2013-14 तक) - 23 दौर पर आधारित

तिमाही	राशि बिलियन रुपयों में					प्रतिशत (अनुपात)		
	बिक्री का औसत (979)	कुल इन्वेंटरियों का औसत (979)	तैयार माल की इन्वेंटरियों का औसत (979)	प्रक्रियाधीन इन्वेंटरियों का औसत (979)	कच्चे माल की इन्वेंटरियों का औसत	कुल इन्वेंटरी/ बिक्री	तैयार माल की इन्वेंटरी/ बिक्री	कच्चे माल की इन्वेंटरी/ बिक्री
ति2:2012-13	4.10	2.36	0.85	0.37	1.13	57.5	20.8	27.7
ति3:2012-13	4.32	2.39	0.70	0.37	1.32	55.3	16.3	30.6
ति4:2012-13	4.31	2.36	0.81	0.35	1.19	54.7	18.9	27.6
ति1:2013-14	4.05	2.39	0.83	0.39	1.17	59.0	20.5	28.8
ति2:2013-14	4.59	2.51	0.88	0.43	1.21	54.8	19.2	26.3

एफजी: तैयार माल, डब्ल्यूआईपी: प्रक्रियाधीन कार्य, आरएम: कच्चा माल
* कोष्ठक में दिए गए आंकड़े इन्वेंटरी की रिपोर्टिंग करने वाली कंपनियों से संबंधित हैं।

सारणी 5: आदेश बहियों की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि - 20वें से 23वें दौर तक

तिमाही	20वें दौर की स्थिति (504)	21वें दौर की स्थिति (436)	22वें दौर की स्थिति (451)	23वें दौर की स्थिति (484)
ति3:2011-12	9.6			
ति4:2011-12	7.5	7.3		
ति1:2012-13	15.2	23.7	22.1	
ति2:2012-13	0.0	0.7	7.8	5.6
ति3:2012-13	-2.4	-0.2	1.1	-4.5
ति4:2012-13		-5.3	-2.6	-8.5
ति1:2013-14			-3.9	-3.3
ति2:2013-14				3.7

* कोष्ठक में दिए गए आंकड़े आदेश बहियों की रिपोर्टिंग करने वाली कंपनियों से संबंधित हैं।

सारणी 6: क्षमता उपयोग का स्तर - 20वें से 23वें दौर तक

तिमाही	20वें दौर की स्थिति	21वें दौर की स्थिति	22वें दौर की स्थिति	23वें दौर की स्थिति
ति3:2011-12	77.5			
ति4:2011-12	79.3	78.4		
ति1:2012-13	73.2	73.2	73.1	
ति2:2012-13	75.0	75.2	74.8	73.3
ति3:2012-13	74.8	74.4	75.2	74.2
ति4:2012-13		75.7	76.9	75.8
ति1:2013-14			73.4	71.1
ति2:2013-14				73.7

सारणी 7: बिक्री की तुलना में तैयार माल इन्वेंटरी - 20वें से 23वें दौर तक

तिमाही	20वें दौर की स्थिति	21वें दौर की स्थिति	22वें दौर की स्थिति	23वें दौर की स्थिति
ति3:2011-12	19.5			
ति4:2011-12	16.8	15.7		
ति1:2012-13	18.5	18.1	17.9	
ति2:2012-13	20.4	20.3	20.1	20.8
ति3:2012-13	15.7	15.6	15.6	16.3
ति4:2012-13		18.1	17.8	18.9
ति1:2013-14			19.6	20.5
ति2:2013-14				19.2